M.A. (Previous) Degree Examination

October / November 2016

HINDI

(Directorate of Distance Education)

(DPA 510 Paper - I Aadhunik Hindi Kavitha)

आधुनिक हिन्दि कविता

Time : 3 hrs] *Max Marks: 70/80*

1. मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व और कृतित्व पर एक लेख लिखिए । ***4X16=64***

अथवा

साकेत के आधार पर ऊर्मिला का चरित्रांकन कीजीए ।

2. कामायानी की वस्तुगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

अथवा

कामायनी के आधार पर श्रद्धा का चरित्रांकन कीजिए ।

3. राम की शक्तिपूजा के काव्य की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

अथवा

कवि सुमित्रानंदन पंत के काव्य की विशेषताओं का अंकन कीजिए ।

4. 'असाध्यवीणा' के काव्य सौस्ठव पर एक लेख लिखिए ।

अथवा

'बादल राग' कविता की काव्यगत विशेषताओं का अंकन कीजिए ।

5. किन्ही तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । (*70* अंकवाले किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखे और *80* अंकवाले विद्यार्थी के लिए किन्ही तीन प्रश्न अनिवार्य है ।) ***16***

a) अवध को अपनाकर त्याग से
वन तपोवन सा प्रभु ने किया ।
भरत ने उनके अनुराग से
भवन में वन का व्रत ले लिया ।

b) नित्य यौवन छवि से ही दीप्त विश्व की कारण कामना मूर्ति ।
स्पर्श के आकर्षण मे पूर्ण प्रकट करती ज्यों जड में स्फूर्ति ।

Contd...2

c) फिर फिर
बार बार गर्जन
वर्षण है मूसल धार
हृदय थाम लेता संसार
सुन सुन घोर वज्र हुंकार

d) देख वसुधा का यौवन - भार
गूँज उठता है जब मधुमास
विधुर उर के से मृदु उद्गार -
कुसुम जब खुल पडते सोच्छ्वास ।
न जाने सौरभ के मिस कौन
संदेश मुझे भेजता मौन ।

e) तो हमें स्वीकार है वह भी । उसी में रेत होकर
फिर छनेंगे हम । जमेंगे कही फिर पैर टेकेंगे ।
कहीं फिर से खडा होगा नये व्यक्तित्व का आकार
मातः उसे फिर संस्कार तुम देना ।

*** ** ***

M.A. (Previous) Degree Examination

October / November 2016

(Directorate of Distane Education)

HINDI

(DPA 520) Paper - II : Hindi Ki Gadya Vidhayen

Time : 3 hrs] *Max Marks: 70/80*

4X16=64

1. रस प्रिया कहानी का सार लिखकर उसकी विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

अथवा

नन्धें कहानी का विवेचन कीजिए ।

2. एकांकी के तत्व के आधार पर मीना कहाँ है एकांकी का विश्लेषण कीजिए ।

अथवा

"महाभारत की एक साँझ" एकांकी का विश्लेषण कीजिए ।

3. "अन्धेर नगरी" नाटक की वस्तु लिखकर उसमें अभिव्यक्त हास्य और व्यंग्य प्रसंगों का विवेचन कीजिए ।

अथवा

श्रद्धा और भक्ति निबन्ध पर एक लेख लिखिए ।

4. मैला आँचल में अभिव्यक्त आँचलिकता का विवेचन कीजिए ।

अथवा

"मैला आँचल" उपन्यास के डॉ प्रशांत का चरित्र चित्रण कीजिए ।

5. किन्ही तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । (***70* अंकवाले किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखे और *80* अंकवाले विद्यार्थी के लिए किन्ही तीन प्रश्न अनिवार्य है ।)** ***16***

a) "मृत्यु के पास दया नहीं होती, राजमाता ! लेकिन मेरे पास अगर परीक्षित को बचाने के लिए कोई भी शक्ति है, तो मैं तो मैं अब भी न्योछावर करता हूँ ।"

b) "ग्लानि में अपनी बुराई, तुच्छता आदि के अनुभव से जो संताप होता है वह अकेले में भी होता है, और दस आदमियों के सामने प्रकट भी किए जाता है । ग्लानि अन्तःकरण की शद्धि का एक विधान है।"

Contd...2

c) "श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है । जब पूज्य भाव की बुद्धि के साथ श्रद्धा भाजन के सामिप्य लाभ की प्रवृत्ति हो, उसकी सत्ता के कई रूपों के साक्षात्कार की वासना हो, तन हृदय में भक्ति का प्रादुर्भवि समझना चाहिए ।"

d) "मोहना जैसे सुंदर, सुशील लडकों की खोज में ही उसकी जिंदगी के अधिकांश दिन बीते हैं .....। विधापत नाच में नाचनेवाले नटुआ का अनुसंधान खेल नहीं ।"

e) "ऐसी जात हलवाई जिसके छत्तीस कौम हैं । जैसे कलकत्ते के विल्सन मंदिर के भितरिए, वैसे अंधेर नगरी के हम "

****

Q.P. Code No. 56563

M.A. (Previous) Degree Examination

October / November 2016

(Directorate of Distane Education)

HINDI

(DPA 530) Paper - III : Hindi Sahitya Ka Itihas Aur Vyakaran

हिन्दी साहित्य का इतिहास और व्याकरण

Time : 3 hrs] *Max Marks: 70/80*

4X16=64

1. आदिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियों का काल विवेचन कीजिए ।

अथवा

निर्गुण भक्ति धारा में कबीर का स्थान निर्धारित कीजिए ।

2. विद्यापति के काव्य की विशेषताओं का अंकन कीजिए ।

अथवा

जायसी का परिचय देते हुए 'पद्मावत' की कथा-वस्तु लिखिए ।

3. संज्ञा की परिभाषा देते हुए, उसके भेदों को सोदाहरण समझाइए ।

अथवा

क्रिया की परिभाषा देते हुए उसके भेदों को स्पष्ट कीजिए ।

4. काल और उसके भेद पर एक लेख लिखिए ।

अथवा

समास की परिभाषा देते हुए उसके प्रमुख भेदों को स्पष्ट कीजिए ।

5. किन्ही **तीन** पर टिप्पणी लिखिए ।70 अंकवाले **एक** लिखे 80 अंकेवाले **तीनों** लिखे । ***16***

a) पृथ्वीराज रासो

b) सिद्ध - साहित्य ।

c) रामचरित मानस ।

d) क्रिया विशेषण ।

e) अव्यय ।

*** ** ***

Second Semester M.A. (Previous) Degree Examination

October / November 2016

(Directorate of Distane Education)

HINDI

Paper S C - I : Prayojanmulak Hindi

प्रयोजनमूलक हिन्दी

Time : 3 hrs] *Max Marks: 75*

3X16=48

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपयोगिताओं पर एक लेख लिखिए ।

अथवा

हिन्दी के सांविधानिक महत्व की चर्चा कीजिए ।

2. सरकारी और अर्ध सरकारी पत्रों को सोदाहरण समझाइए ।

अथवा

टिप्पण की पारिभाषा देते हुए उसके नमूने को प्रस्तुत कीजिए ।

3. काव्यानुवाद की समस्याओं की चर्चा कीजिए ।

अथवा

अनुवाद के महत्व को सोदाहरण समझाइए ।

4. a) कन्नड अथवा अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए । ***8***

'Where there is a will, there is a way' is an old and true saying. He who determines to do a thing, by that determination overcomes the obstacles to it and half secures its fulfilment. It is so in all occupations of life, at school, at college, or in the world. To determine to succeed is the surest way of success. Difficulties disappear before an unswering resalution. This is well illustrated in the life of Napaleon. He threw the whole force of his body and mind into his work. He was told that the Alps stood in the way of his arms. He said, "there shall be no Alps". And a road was made across them over heights previously considered inaccessible. He would say "Impossible" is a word only to be found in the dictionary of fools. And so it is, a firm determination not to give in is the surest condition of success in any undertaking.

अथवा

ತುಳಸಿದಾಸರಿಗಿಂತ ಮೊದಲೇ ರಾಮಕಥೆ ಅಪಾರವಾಗಿ ಪ್ರಚಲಿತವಾಗಿದ್ದ ಅಂಶ. ಈ ಮಾತಿನಿಂದ ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗುತ್ತದೆ. ವಾಸ್ತವವಾಗಿ ಹಿಂದಿ ಆಧುನಿಕ ಭಾರತೀಯ ಆರ್ಯಭಾಷೆಗಳಲ್ಲಿ ಪ್ರಮುಖವಾದ ಭಾಷೆಯೆಂದೆನಿಸಿಕೊಂಡಿರುವುದು. ರಾಮ ಕಥೆಯು ವೇದಗಳ ಕಾಲದಿಂದ ಸಂಸ್ಕೃತ ಪ್ರಾಕೃತ. ಪಾಲಿ ಅಪಭ್ರಂಶ ಮತ್ತು ಮಧ್ಯ ಕಾಲದ ಭಾಷೆಗಳ ಮೂಲಕ ಹಿಂದಿಗೆ ಬಂದಿದೆ.

Contd...2

ತುಳಸಿದಾಸರು ರಾಮನ ಅನನ್ಯ ಭಕ್ತರಾಗಿದ್ದರು. ಅವರು ರಚಿಸಿದ ' ರಾಮಚರಿತ ಮಾನಸ' ಗ್ರಂಥ ರಾಮ ಭಕ್ತರಿಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಪ್ರಿಯವಾದ ಗ್ರಂಥ. ಉತ್ತರ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಮನೆ ಮನೆಗಳಲ್ಲಿ ರಾಮಚರಿತ ಮಾನಸವನ್ನು ಭಕ್ತಿಯಿಂದ ಓದುತ್ತಾರೆ. ಈ ಗ್ರಂಥ ಸಾಹಿತ್ಯದ ದೃಷ್ಟಿಯಿಂದಲೂ ಅತ್ಯಂತ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣವಾದ ಗ್ರಂಥ. ರಾಮಚರಿತ ಮಾನಸ ಭಾರತೀಯ ಭಾಷೆಯ ಶ್ರೇಷ್ಠ ಕಾವ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದು.

8

b) हिन्दी से अंग्रेजी अथवा कन्नड में अनुवाद कीजिए ।

सूर की भक्ति पद्धति का मुख्य भाव पुष्टिमार्गीय भक्ति है । भगवान की भक्ति पर कृपा का नाम ही पोषण ही । पोषण के भाव को स्पष्ट करने के लिए भक्ति के दो रूप बताए गये है - साधन रूप और साध्य रूप । साधन भक्ति में भक्त को प्रयत्न करना होता है । किंतु साध्य रूप में भक्त भगवान की चरणों में अपने को समर्पित कर देता है । तब प्रभु स्वयं भक्त का ध्यान रखते हैं । भक्त अनुग्रह पर भरोसा रखकर शांत बैठ जाता है । इस मार्ग में भगवान का अनुग्रह ही मुख्य है ।

5. किन्ही **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । (70 अंकवाले टिप्पणी में से एक प्रश्न का उत्तर लिखे और 80 अकवाले विद्यार्थियों के लिए सभी प्रश्न अनिवार्य है ।) ***16***

a) मसौदा ।

b) ज्ञापन ।

c) संविधान और हिन्दी ।

d) अनुवाद कला ।

e) नाट्यानुवाद की समस्याएँ ।

****